राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की उपासना

जौनपुर से प्रकाशित

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 261 | जौनपुर | रविवार, 11 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 44306 मामले हुए निस्तारित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय/सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जौनपुर प्रशांत कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि उ० प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार व माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अनिल कुमार वर्मा–1 की अध्यक्षता एवं निर्देशन एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत रणजीत कुमार व सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर की देखरेख में जनपद न्यायालय परिसर जौनपुर में दिनांक 10 मई 2025 को राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया।

आतंकी जिस भाषा में समझेंगे उन्हें उसी भाषा में जवाब देंगे : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर पाकिस्तान और उसके द्वारा संरक्षित आतंकवाद पर कड़ा प्रहार किया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन एंड टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी होने वाली नहीं, जो प्यार की भाषा मानने वाली नहीं। उसको उसी की भाषा में जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। इस दिशा में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया को एक संदेश दे दिया है। अब समय आ गया है जब आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सबको एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस अभियान से जुड़ना होगा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी वर्चुअली उपस्थित रहे और उन्होंने व सीएम योगी ने एक साथ बटन दबाकर ब्रह्मोस यूनिट का शुभारंभ किया। इस दौरान रक्षा उत्पादन से जुड़ी पुस्तक ब्रह्मांड का भी विमोचन किया गया। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री को ब्रह्मोस मिसाइल का प्रतिरूप भी भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारत की तीनों रक्षा सेनाओं के बहादुर जवानों, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करते हुए प्रदेशवासियों की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइल क्या है, इसके पराक्रम को आपने ऑपरेशन सिंदूर में देखा होगा और नहीं देखा तो कम से कम पाकिस्तान वालों से पूछ लेना चाहिए कि ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत क्या है। आतंकवाद के प्रति प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी और याद रखना आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी स्वावलंबी देश के लिए आवश्यक है कि अपनी रक्षा आपूर्ति के लिए वह दुनिया के अन्य देशों पर निर्भर होने की बजाय स्वयं उस लक्ष्य को प्राप्त करे। इजराइल इसका उदाहरण है, जिसने सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त किया है। उसने अपने अगल–बगल के दुश्मन देशों को नाकों चने चबाने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की समस्या का समाधान तब तक नहीं हो सकता जब तक हम इसे पूरी तरह से कुचल नहीं देते। आतंकवाद को कुचलने के लिए हम सभी को पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्वर में मिलकर लड़ना होगा। आतंकवाद कभी भी प्यार की भाषा नहीं अपना सकता। उसे उसी की भाषा में जवाब देना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने पूरी दुनिया को संदेश दिया है।

नया भारत सीमा के दोनों तरफ करेगा कार्रवाई : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचा ढहाने के उद्देश्य से लॉन्च किया था। हमने उनके आम नागरिकों को कभी निशाना नहीं बनाया था। मगर पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक इलाकों को निशाना बनाया बल्कि मंदिर, गुरुद्वारा और गिरिजाघर पर भी हमले करने का प्रयास किया। भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ–साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही नहीं कार्रवाई की बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है...आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कारवाई करेगा । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से बात करके संघर्ष विराम की पहल की थी...भारत हमेशा अपनी प्रतिबद्धता पूरी करता है। लेकिन पाकिस्तान ने बेईमानी की.. .पीएम मोदी ने पाकिस्तान को खुद में सुधार करने के लिए शांति वार्ता के तौर पर संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी...पीएम नरेंद्र मोदी जानते थे कि ये पाकिस्तानी ऐसा कुछ करेंगे। इसीलिए उन्होंने संघर्ष विराम का जिक्र तक नहीं किया...पाकिस्तान जानता है कि अगर वे भारत से लड़ेंगे तो हार जाएंगे। भारतीय वायुसेना भारतीय वायुसेना ने किया ट्वीट, चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए समय आने पर विस्तृत ब्रीफिंग की जाएगी। भारतीय वायुसेना सभी से अटकलों और असत्यापित सूचनाओं के प्रसार से बचने का आग्रह करती है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री मान ने 'सैन्य जरूरतों' के लिए राजस्थान को अतिरिक्त पानी छोड़ने का आदेश दिया

पंजाब, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को राजस्थान को अतिरिक्त पानी छोड़ने का आदेश दिया, ताकि राज्य में सेना की जरूरतें पूरी की जा सकें। मुख्यमंत्री के हवाले से बयान में कहा गया कि राजस्थान सरकार ने पंजाब के कोटे से अधिक पानी मांगा है, ''क्योंकि राजस्थान सीमा पर तैनात सेना को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता है''। मान ने कहा कि जब भी राष्ट्रीय हितों की बात आती है तो पंजाब कभी पीछे नहीं रहता।

इंदिरा जी को आज पूरा देश याद कर रहा है : पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा कि आज देश पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को याद कर रहा है। उन्होंने 'एक्स' पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह भारतीय सेना के जवानों के साथ एक सैन्य चौकी पर खड़ी हुई हैं। गहलोत ने लिखा, "इंदिरा (गांधी) जी, आज पूरा देश आपको याद कर रहा है।" भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम की घोषणा के बाद गहलोत ने शाम में यह पोस्ट किया था। गहलोत ने हालांकि सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में कोई संदर्भ नहीं दिया।

असम में पाकिस्तान का पक्ष लेने के आरोप में दो और लोग गिरफ्तार : मुख्यमंत्री

असम, (एजेंसी)। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बिश्वनाथ निवासी जोबुर इस्लाम और मोरीगांव के रूहुल अमीन के रूप में हुई है। उन्होंने बताया, गद्दारों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। कुल 50 देशद्रोही अब तक जेल जा चुके हैं। असम में पाकिस्तान का पक्ष लेने के आरोप में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से अब तक कुल 50 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बिश्वनाथ निवासी जोबुर इस्लाम और मोरीगांव के रूहुल अमीन के रूप में हुई है।

ओवैसी ने पाकिस्तान को किया बेनकाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आतंकियों का पनाहगाह पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज आने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच सीमा पर जारी तनाव को देखते हुए एक बार फिर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को आईना दिखाया है। उन्होंने पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनयान–उल–मरसूस का सही अर्थ बताते हुए पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तानी सरकार को झूठा बताया। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान ने अब जो नया हमला किया था, उसका नाम ऑपरेशन बुनयान–उल–मरसूस रखा था। ओवैसी ने कहा कि बुनयान–उल– मरसूस कुरान–ए– शरीफ की आयत नंबर चार है, जिसमें अल्लाह ने कहा है कि अगर तुम अल्लाह से मोहब्बत करते तो एक शीशा पिलाई दीवार की तरह खड़े हो जाओ, लेकिन इतनी झूठी है ये पाकिस्तान की आर्मी। इससे पहले कुरान के आयत नंबर दो में लिखा है कि तुम क्यों ऐसी बात कहते हो, जो करते नहीं। यानी बुनयान– उल– मरसूस से पहले यह आयत आ रही है, लेकिन इतने झूठे हैं ये पाकिस्तानी कि कुरान के

मकसद को भी पूरा नहीं होने देना चाहते। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्लाम और कुरान की आयतों का इस्तेमाल सिर्फ अपने झूठ को सही साबित करने के लिए कर रहा है। ओवैसी ने कहा कि जब आप बांग्लादेश में बंगाल के मुसलमानों पर गोलियां चला रहे थे, तब शीशा पिलाई दीवार कहां थी? आज भी पाकिस्तान की सेना कुरान की बातों का पालन नहीं करती। अफसोस होता है कि वो खुद ही अपने धर्म की शिक्षाओं को नहीं मानते। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि भारत की इस्लाम से जंग चल रही है। इसके साथ ही ओवैसी ने साफ कहा कि भारत में 20 करोड़ मुसलमान रहते हैं। तो फिर पाकिस्तान बताए कि कौन सी जंग चल रही है इस्लाम से? ओवैसी ने अपने बयान में आगे कहा कि 9/11 के बाद पाकिस्तान की ही सरकार ने अमेरिकी एजेंसियों को मुसलमानों को सिर्फ 15 हजार डॉलर में बेच दिया। उन्होंने कहा कि आप इस्लाम के नाम पर झूठ फैलाते हो। पुंछ में 14 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें 4 मासूम बच्चे भी थे।

बदलते राजनीतिक परिदृश्य के बीच विपक्ष के लिए प्रासंगिक बने रहना चुनौती

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद विपक्ष अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए कठिन संघर्ष कर रहा है। राज्य में हाल के दिनों में बदलती वफादारी, पुनर्मिलन और खंडित गठजोड़ों का दौर दिखा है। कांग्रेस, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) से मिलकर बनी महा विकास अघाड़ी या एमवीए पिछले साल के विधानसभा चुनावों में बुरी तरह हार गई थी। यह गठजोड़ राज्य की 288 सीटों में से केवल 46 सीटें ही जीत सका था। अब अगली बड़ी चुनौती निकाय चुनाव है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग को ओबीसी कोटा मुद्दे पर कई सालों से रुके पड़े चुनावों को चार सप्ताह में अधिसूचित करने का आदेश दिया

है। हालांकि, राज्य चुनावों के बाद एनसीपी (शपा) और शिवसेना (यूबीटी) को दलबदल की मार झेलनी पड़ रही है। कांग्रेस में, पुणे जिले के संग्राम थोपटे एकमात्र बड़े नेता थे जिन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रत्नाकर महाजन ने पीटीआई से कहा कि स्थिति की साझा समझ और चुनावी एकता के आधार पर ही विपक्ष को खुद को पुनर्जीवित करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, जब तक एक स्पष्ट नेतृत्व रणनीति और एकीकृत एजेंडा सामने नहीं आता, तब तक राज्य में विपक्ष के अप्रासंगिक होने का खतरा बना रहेगा। राज्य में भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजीत पवार की एनसीपी के महायुति गठबंधन का प्रभुत्व है। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, 'विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती खुद को नये सिरे से तैयार करना है। उन्होंने कहा, महंगाई, बेरोजगारी और किसान संकट जैसे मुद्दों पर जमीनी स्तर पर असंतोष मौजूद है, लेकिन इसे नियंत्रित करने के लिए कोई एक चेहरा या एकजुट ताकत नहीं है।

वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश अकोलकर ने कहा कि वरिष्ठ राजनेता शरद पवार के कदमों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। उन्होंने पीटीआई से कहा, कुंजी सुप्रिया सुले के पास है। हमेशा की तरह, शरद पवार अस्पष्ट हैं और उन्होंने अपने राजनीतिक रूप से अलग–थलग पड़े भतीजे अजित पवार के साथ फिर से जुड़ने के बारे में एक छिटपुट टिप्पणी करके हलचल मचा दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि 84 वर्ष की उम्र में शरद पवार एनसीपी के गढ़ों में अपनी पार्टी को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सीमा पार से गोलीबारी में शहीद हुए सूबेदार मेजर पवन कुमार, मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया

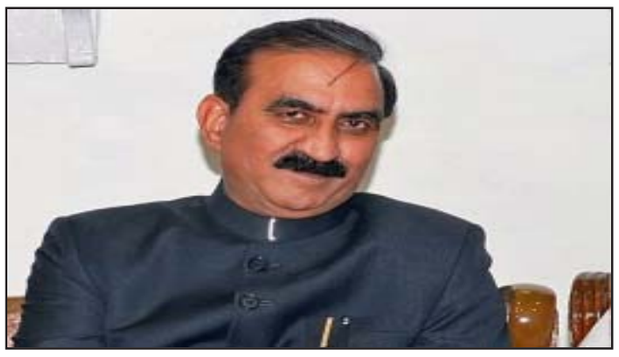

हिमाचल, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जम्मू–कश्मीर में पाकिस्तानी सेना द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी में शहीद हुए 25 पंजाब रेजिमेंट के सूबेदार मेजर पवन कुमार के परिवार को शनिवार को सांत्वना दी और शोक व्यक्त किया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के शाहपुर की वार्ड संख्या चार के रहने वाले कुमार जम्मू–कश्मीर के पुंछ सेक्टर में पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई गोलाबारी में शहीद हो गये। सेना के अधिकारियों के अनुसार, शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे गोलाबारी हुई, जिसके बाद कुमार के परिवार को उनके शहीद होने की खबर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कुमार के पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम और आवश्यक औपचारिकताओं के लिए पुंछ से राजौरी ले जाया जा रहा है, जिसके बाद उन्हें अंतिम संस्कार के लिए सड़क मार्ग से शाहपुर लाया जाएगा। कुमार 25 पंजाब रेजिमेंट में सेवारत थे और 31 अगस्त, 2025 को अंबाला में अपनी अंतिम आधिकारिक पोस्टिंग के साथ सेवानिवृत्त होने वाले थे। अधिकारियों के मुताबिक, हालांकि कुमार ने स्वेच्छा से सीमा पर तैनाती का विकल्प चुना था। कुमार के परिवार में उनके माता–पिता, पत्नी, बेटा और एक बेटी हैं। कुमार के पिता गराज सिंह भारतीय सेना के सेवानिवृत्त हवलदार हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि सूबेदार मेजर पवन कुमार ने देश की एकता व संप्रभुता को बनाए रखने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है और उन्हें लोग हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दुख की घड़ी में प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, कांगड़ा के सांसद राजीव भारद्वाज और अन्य नेताओं ने भी शोक व्यक्त किया।

सीजफायर के बीच ऑपरेशन सिंदूर पर वायुसेना का बयान, बढ़ेगी तनातनी

अमेरिका, (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच अमेरिका और विदेश मंत्रालय के सीजफायर की घोषणा के बावजूद, भारतीय वायुसेना ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। वायुसेना ने एक बयान में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरी सटीकता और प्रोफेशनलिज्म के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। इस ऑपरेशन को राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए बेहद योजनाबद्ध और गोपनीय तरीके से अंजाम दिया गया। वायुसेना ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, श्भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने सौंपे गए कार्यों को सटीकता और व्यावसायिकता के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। ऑपरेशन राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सोच–समझकर और विवेकपूर्ण तरीके से संचालित किए गए। इस पोस्ट में, वायु सेना ने आगे लिखा, चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए समय रहते विस्तृत जानकारी दी जाएगी। भारतीय वायु सेना सभी से

अपील करता है कि वे अटकलें लगाने और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आवास पर उच्च स्तरीय बैठक कर रहे हैं। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुख, एनएसए अजीत डोभाल के साथ ही आईबी और रॉ के प्रमुख मौजूद हैं। बैठक में आगे की रणनीति और शांति बनाए रखने के उपायों पर चर्चा हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की है। ट्रंप ने इस ऐतिहासिक फैसले पर दोनों देशों की तारीफ की है और इसे पूरी दुनिया के लिए नया मोड़ बताया है। उन्होंने कहा कि वह शांति बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों के साथ मिलकर काम करने के लिए मौजूद हैं।

राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखवकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की। इस पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर दो चिट्ठी शेयर की। पोस्ट में जयराम रमेश ने दो पत्र साझा किए हैं, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे हैं। इन पत्रों में एक विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग की गई है ताकि पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और भारत–पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुई युद्धविराम की घोषणा जो पहले वाशिंगटन डीसी से और बाद में भारत व पाकिस्तान की सरकारों द्वारा की गई पर चर्चा हो सके मैं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में, आपसे अनुरोध करता हूँ कि संसद का एक विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। पहलगाम में हुए आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और हाल ही में भारत–पाकिस्तान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद यह बहुत जरूरी है कि दोनों सदनों में इस पर चर्चा हो। हमें यह समझने की जरूरत है कि इन घटनाओं का क्या प्रभाव होगा। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद वाशिंगटन डीसी से युद्धविराम की घोषणा हुई, जिसमें अमेरिका और बाद में भारत व पाकिस्तान की सरकारें शामिल थीं। लेकिन इसके बाद भी हिंसा और संघर्ष की खबरें आ रही हैं। हमारा मानना है कि इस संकट के समय संसद को एकजुट होकर देश के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। मैं राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में इस अनुरोध का समर्थन करता हूँ और आशा करता हूँ कि आप इस मांग को स्वीकार करेंगे। मैं लोकसभा में विपक्ष की ओर से यह अनुरोध दोहराता हूँ कि संसद का एक विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए ताकि पहलगाम हमले, ऑपरेशन सिंदूर और भारत–पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुई युद्धविराम की घोषणा पर विस्तृत चर्चा हो सके।

कश्मीर मुद्दे पर डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश पर विवाद, कपिल सिब्बल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कपिल सिब्बल ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, इस ट्वीट पर भी कई सवाल उठेंगे... तो क्या हुआ (भारत–पाकिस्तान समझौते के बारे में), कैसे और क्यों, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई है... इसलिए हम आज कोई आलोचना नहीं करेंगे। हम केवल एक विशेष संसद सत्र और एक सर्वदलीय बैठक बुलाना चाहते हैं।श्अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के साथ मध्यस्थता की पेशकश कर विवाद खड़ा कर दिया है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने ट्रंप के हालिया बयान की आलोचना की और मोदी सरकार पर

भी निशाना साधा। सिब्बल ने कहा कि ट्रंप के बयान से कई सवाल उठेंगे और विपक्ष को इस मुद्दे पर गलत जानकारी दी गई। कपिल सिब्बल ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, श्इस ट्वीट पर भी कई सवाल उठेंगे... तो क्या हुआ (भारत–पाकिस्तान समझौते के बारे में), कैसे और क्यों, इस बारे में हमें कोई जानकारी नहीं दी गई है... इसलिए हम आज कोई आलोचना नहीं करेंगे। हम केवल एक विशेष संसद सत्र और एक सर्वदलीय बैठक बुलाना चाहते हैं। इसमें सभी राजनीतिक दलों से अपील करना चाहता हूं कि जब तक सरकार उन्हें आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री भी बैठक में मौजूद रहेंगे, तब तक वे बैठक में शामिल न हों... मुझे पूरा भरोसा है कि अगर डॉ. मनमोहन सिंह आज प्रधानमंत्री होते, तो वे सर्वदलीय बैठक में मौजूद होते और एक विशेष सत्र भी बुलाया जाता। इससे पहले, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने रविवार को कहा कि यह मुद्दा बाइबिल में वर्णित 100 साल पुराना संघर्ष नहीं है, बल्कि यह केवल 78 साल पहले शुरू हुआ था।

संपादकीय

सधी रणनीति-कूटनीति

दशकों से पाक पोषित आतंकवादियों के हमले झेल रहे भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर व पाकिस्तान में सधे–सटीक मिसाइल हमले करके आतंक की पाठशालाएं धवस्त कर दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' से बौखलाए पाक ने भारत के एक दर्जन से अधिक शहरों पर जो जवाबी हमले किए, भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र ने उन्हें नाकाम कर दिया। दरअसल, भारत कई मोर्चों पर सधी चाल चल रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार ने सेना के तीन अंगों के प्रमुखों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व विभिन्न हितधारकों से लगातार संपर्क बनाकर कारगर रणनीति की रूप–रेखा बनायी। ताकि पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों व नागरिकों को हमले से कोई बड़ा नुकसान न हो। लेकिन भारत की सीमित कार्रवाई को जवाब देने में पाकिस्तान जल्दबाजी कर गया। हालांकि, देश के कुछ बड़े शहरों को युद्धक विमानों और ड्रोन के जरिये निशाना बनाने का पाक अभियान हमारी कई परतों वाली सुरक्षा तकनीक से विफल हो गया। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शीर्ष सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करके युद्ध की रणनीति पर लगातार विचार करते रहे। इसी तरह सूचना व मनोवैज्ञानिक युद्ध के जरिये पाक को पस्त किया गया। उसके कई हवाई जहाज व दर्जनों आयातित ड्रोन भारतीय सुरक्षा की परतों को नहीं भेद पाये। वहीं दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया में अपने समकक्षों से संपर्क साध करके आतंकवाद के पोषक पाक को बेनकाब किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो टूक कहा कि वह भारत–पाक संघर्ष के बीच नहीं आएगा। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाक प्रधानमंत्री से बात कर संघर्ष को विस्तार देने से बचने का आग्रह किया। दरअसल, चीन व तुर्की को छोड़कर दुनिया के तमाम बड़े मुल्क आतंक से प्रभावित भारत के पक्ष में खड़े नजर आए हैं। वहीं सऊदी अरब के उपविदेश मंत्री अदेल अलीजुबैर और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। जिन्हें पहलगाम हमले के बाद की स्थितियों से अवगत कराया गया। भारत ने आतंक को बढ़ावा देना बंद न करने तक बातचीत से इनकार किया। मोदी सरकार, सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों तथा सेना के तीनों अंगों ने बेहतर तालमेल के साथ ऑपरेशन सिंदूर तथा उसके बाद पाक द्वारा किए हमलों को विफल बनाने के लिये पर्याप्त होमवर्क किया। लगातार बैठकों व संवाद के जरिये इस चुनौती के मुकाबले की रणनीति को अंजाम दिया। जिससे देश के जनमानस का भरोसा बढ़ा कि देश सही हाथों में है। अब तक भारत पाक पोषित आतंकवादी हमलों के बाद सिर्फ कूटनीतिक स्तर पर कार्यवाही की कोशिश करता रहा है। ऐसी स्थिति मुंबई हमले, संसद पर हुए हमले तथा पठानकोट एयर बेस पर हुए हमलों के बाद सामने आई। भारत सबूतों के आधार पर वैश्विक संगठनों से कार्रवाई की मांग करता रहा है। लेकिन पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देना नये भारत की बदली रणनीति का पर्याय ही है। पहले पाक के परमाणु हथियार का डर दिखाकर भारत को कार्रवाई करने से रोका जाता रहा है। कालांतर में 2016 में उरी में 19 सैनिकों के मारे जाने पर नियंत्रण रेखा के पार व 2019 में पुलवामा विस्फोट के बाद बालाकोट में एयर स्ट्राइक की गई।

मुस्लिम देशों में अलग-थलग पड़ता पाक

पुष्परंजन

चाड के राजनयिक हिसेन ब्राहिम ताहा, 57 देशों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 12वें महासचिव हैं। 17 नवम्बर, 2021 से वो इस पद को सम्हाल रहे हैं। ताहा, तुर्किये के राष्ट्रपति रिजप तैय्यप एर्दोआन के 'यस मैन' माने जाते हैं। ताहा की आत्मा, तुर्की और एर्दोआन में बसी रहती है। वर्ष 1969 में अपनी स्थापना के बाद से तुर्की, इस्लामिक सहयोग संगठन में एक प्रमुख खिलाड़ी की

भूमिका में रहा है। ओआईसी के कई सारे सदस्य मानते हैं, कि तुर्की इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। न्यूयार्क से जारी अपने बयान में, ओआईसी ने दोनों पक्षों के बीच मतभेदों को 'अंतर्राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांतिपूर्ण तरीकों से' हल करने का भी आह्वान किया। लेकिन, भारत ने इसे खारिज करते हुए कहा, कि यह दो देशों के बीच का मामला है, इसमें आपकी नसीहत की जरूरत नहीं। पाकिस्तान की पीठ पर हाथ रखकर एर्दोआन जो दाव चल रहे हैं, उससे पूरी दुनिया वाकिफ है। विगत 56 वर्षों से शह–मात का यह खेल चल रहा है। वर्ष 1969 में मोरक्को के किंग हसन द्वितीय ने रबात में 1969 के शिखर सम्मेलन के लिए भारत सरकार को आमंत्रित किया। लेकिन, पाकिस्तान के तत्कालीन शासक जनरल याह्या खान द्वारा, बैठक से बाहर निकलने की धमकी दिए जाने के बाद, शाह हसन द्वितीय ने भारतीय प्रतिनिधियों से बैठक में शामिल न होने का अनुरोध किया। पाकिस्तान, तेहरान में ओआईसी 1994 में आमंत्रित किया गया था। तब पाकिस्तान को शदीद मिर्ची लगी। पाकिस्तान ने भारत द्वारा अपने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन का हवाला देते हुए उसे शिखर सम्मेलन से निष्कासित करने की मांग की। ओआईसी ने पाकिस्तान के अनुरोध पर कश्मीर संपर्क समूह की आपातकालीन बैठक बुलाई, यह बैठक 26 फरवरी, 2019 को हुई। हालांकि, ओआईसी ने भारत द्वारा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के उल्लंघन की निंदा की, लेकिन, यूएई ने भारत को निमंत्रण वापस करने से इनकार कर दिया। सुषमा स्वराज उस मंच पर गयी, और अपने ओजपूर्ण भाषण से पाकिस्तान को एक्सपोज किया। सभी सदस्य इस बात पर सहमत हुए, कि आतंकवाद को बढ़ाया जाना दक्षिण एशिया के लिए खतरनाक है। ओआईसी के मंच पर यह पाकिस्तान की पहली हार थी। इमरान खान के समय सऊदी अरब से भी ठन गई, जो ओआईसी का दबंग देश है। जेद्दा में ओआईसी का मुख्यालय सऊदी खर्चे पर ही चल रहा है। अन्य कई पूर्वाग्रहों के अलावा सम्मेलन के दौरान, सदस्य देशों को 'कश्मीर पर ओआईसी संपर्क समूह' बनाने के लिए राजी करने में सफल रहा। इस्लामी सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की परिषद का 46वां सत्र 1 और 2 मार्च, 2019 को अबू धाबी में आयोजित किया गया था। तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को संयुक्त अरब अमीरात के उनके समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान द्वारा उद्घाटन समारोह को संबोधित करने के लिए 'विशिष्ट अतिथि' के रूप पाकिस्तान, सऊदी से इस बात पर भी खार खाये था, कि कश्मीर मुद्दे पर वो खुलकर उसका समर्थन नहीं कर रहा। शाह महमूद कुरैशी सऊदी अरब से तपे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि क्वालालम्पुर सम्मेलन में जाने से हमें रियाद ने रोका था। फाइनेंशियल टाइम्स अखबार के अनुसार, कुरैशी की टिप्पणियों से सऊदी अरब के अधिकारी भड़क गए, जो ओआईसी के मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, उसने 3ध्2 बिलियन डॉलर की तेल ऋण सुविधा को रोक दिया, और पाकिस्तान से 3 बिलियन डॉलर के ऋण का कुछ हिस्सा चुकाने की मांग की। सिर्फ इतने भर से पाकिस्तान की हवा निकल गई। उन दिनों इमरान खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री थे। शाह महमूद कुरैशी ने एक ब्रॉडकास्टर के जरिये बयान दिया, 'मैं एक बार फिर सम्मानपूर्वक ओआईसी से कह रहा हूं कि विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक हमारी अपेक्षा है कि कश्मीर पर बैठक बुलाएँ। हमारी अपनी संवेदनशीलताएं हैं। खाड़ी देशों को यह समझना चाहिए।' वर्ष 1994 में कश्मीर पर जो ओआईसी संपर्क समूह बनाया गया था, उसमें सऊदी अरब, तुर्की, पाकिस्तान, अजरबैजान और नाइजर शामिल रहे हैं। बाद में सऊदी अरब, नाइजर और अजरबैजान इस मुद्दे पर मौन रह गए। संपर्क समूह, ओआईसी सदस्यों के बीच बढ़ते सहयोग, कश्मीरी लोगों का तथाकथित स्वशासन और स्वायत्तता को समर्थन करने पर जोर देता था। पाकिस्तानी प्रशासन की हमेशा से यह हठधर्मिता रही है, कि इस मामले को संयुक्त राष्ट्र के रेजोल्यूशन के अनुसार कश्मीर का भविष्य तय किया जाना चाहिए। दरअसल, 1964, 1972, 1999 और 14 से 16 जुलाई, 2001 तक आहूत आगरा शिखर सम्मेलन में भी कश्मीर समस्या का समाधान पकिस्तान ने होने नहीं दिया। वाशिंगटन स्थित वुडरो विल्सन सेंटर फॉर स्कॉलर्स के दक्षिण एशिया विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन एक ईमेल के जरिये रिएक्ट करते हैं, 'पाकिस्तान के पास वास्तव में कश्मीर पर कोई योजना नहीं है। यह पिछले कई वर्षों से कूटनीतिक आक्रमण कर रहा है, लेकिन ऐसे देश के लिए बिल्कुल नई बात नहीं है। पाकिस्तान लंबे समय से वैश्विक मंचों पर कश्मीर मुद्दे को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इससे एक स्वाभाविक प्रश्न उठता है, यदि अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक अभियान सफल नहीं होता है, तो इसकी दूसरी योजना क्या है?' विशेषज्ञों का यह भी कहना है, कि कश्मीर पर पाकिस्तान की विदेश नीति में स्पष्टता का अभाव है, जो शासक आता है, कश्मीर उसकी कुर्सी मजबूत रखने का बाइस बन जाता है। इस्लामाबाद के कायदे–आजम विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सहायक प्रोफेसर, 'पाकिस्तान फैक्टर एंड द कम्पिटिन्ग पर्सपेक्टिव इन इंडिया' के लेखक राजा कैसर अहमद कहते हैं, 'स्थिति में आक्रामक कूटनीति की आवश्यकता है। चीन, मलेशिया और तुर्की के अलावा, कोई भी अन्य देश कश्मीर पर इस्लामाबाद का समर्थन नहीं करता है।' अर्थात, इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 में से केवल दो देश कश्मीर के इश्यू पर पाकिस्तान के साथ खड़े हैं। यह तो बड़ी शर्मनाक स्थिति है। ओआईसी के मंच पर कश्मीर का रोना रोकर पाकिस्तान, वित्तीय सहायता हथियाता रहा है, यह ढंकी–छिपी बात नहीं रह गई। जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों के प्रोफेसर वली नस्र ने कहा, कि रियाद द्वारा नई दिल्ली की कश्मीर नीति पर भारत के खिलाफ कदम उठाने की संभावना दूर–दूर तक नहीं है। नस्र ने कहा, 'सऊदी अरब भारत को एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार के रूप में देखता है। तो क्या पाकिस्तान अब कश्मीर पर नए सहयोगियों की तलाश में है? इस समय जो संघर्ष चल रहा है, उसमें पाकिस्तान जिस तरह से अलग–थलग पड़ता जा रहा है, वह आने वाले दिनों में उसके लिए कुछ दूसरी तरह की मुश्किलें खड़ी करेगा, जिसकी शुरुआत उसकी घरेलू राजनीति से ही होगी!

उम्दा रक्षा तकनीक से सधा 'ऑपरेशन सिंदूर'

डॉ. शशांक

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा बीते 6–7 मई की रात को शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सटीक सैन्य अभियान था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य आतंकी संगठनों के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करना और भारत में भविष्य के हमलों को रोकना था। योजना की शुरुआत पहलगाम हमले के तुरंत बाद हुई, जब प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को खुफिया एजेंसियों और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया। लक्ष्यों की पहचान के लिए सैटेलाइट इमेजरी, मानव खुफिया जानकारी और इंटरसेप्टेड संचार का उपयोग किया गया। ऑपरेशन को गोपनीय और सटीक रखने के लिए केवल शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सरकारी नेतृत्व को इसकी जानकारी थी। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले आतंकी ठिकानों तक सीमित रहें। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना, नौसेना, और वायुसेना ने संयुक्त रूप से काम किया, जो 54 वर्षों में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर हुआ। भारतीय वायुसेना ने राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों को तैनात किया, जो सटीक हमलों के लिए महत्वपूर्ण थे। थल सेना ने एम777 हल्की होवित्जर तोपों के साथ सहायता प्रदान की, जबकि नौसेना ने समुद्री निगरानी और समर्थन में योगदान दिया। विशेष बलों ने ऑपरेशन से पहले लक्ष्यों की टोह ली और हमलों के बाद नुकसान का आकलन किया। ऑपरेशन के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी साझा की गई। जिसमें बताया गया कि नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया गया। खुफिया एजेंसियों, विशेष रूप से रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ), ने लक्ष्यों का चयन किया, जैसे कि बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद का मरकज सुभान अल्लाह और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल कैंप। ऑपरेशन में अत्याधुनिक हथियारों और उपकरणों का उपयोग किया गया। भारतीय वायुसेना ने राफेल विमानों से स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर सटीक–निर्देशित बम दागे। स्कैल्प मिसाइलें स्टील्थ तकनीक से लैस थीं, जो रडार से बचकर कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं और 450 किलोग्राम वॉरहेड के साथ बंकरों को नष्ट करने में सक्षम हैं। हैमर बमों में जीपीएस और लेजर गाइडेंस सिस्टम था, जो रात और प्रतिकूल मौसम में भी सटीक हमले सुनिश्चित करता है। मिराज 2000 जेट्स ने स्पाइस 2000 और पोपआई बमों का उपयोग किया, जबकि एम777 होवित्जर तोपों से एक्सकैलिबर 155 मिमी सटीक–निर्देशित गोले दागे गए। आत्मघाती ड्रोन, जैसे स्काईस्ट्राइकर लॉइटरिंग म्युनिशन, ने छोटे लेकिन महत्वपूर्ण लक्ष्यों को नष्ट किया। मेटियोर मिसाइलों ने हवाई सुरक्षा सुनिश्चित की। इन हथियारों ने भारत की सैन्य तकनीक में उन्नति को प्रदर्शित किया, जो 2019 के बालाकोट हमले की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी थी। ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक ने ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेरॉन ड्रोन ने रीयल–टाइम सर्विलांस और माइक्रो–म्युनिशन हमलों में योगदान दिया। स्काईस्ट्राइकर जैसे कामिकेज ड्रोन ने लक्ष्यों पर लंबे समय तक मंडराकर सटीक हमले किए। सैटेलाइट इमेजरी ने लक्ष्यों की सटीक स्थिति और नुकसान के आकलन में मदद की। थर्मल इमेजिंग और इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल इन्फ्रारेड सिस्टम ने रात के ऑपरेशन को संभव बनाया। ड्रोन ने 100 किलोमीटर की गहराई तक प्रवेश किया।

..... विविध .....

मां को खुश करने के लिए ये खास गिफ्ट्स, जो बनाएं उनका दिन यादगार

मदर्स डे, यानी मातृ दिवस, हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। इस बार 11 मई को मदर्स डे मनाया जा रहा है। इस खास दिन पर बच्चे अपनी मां को खुश करने के लिए कई तरह के उपहार (गिफ्ट्स) देते हैं। ये गिफ्ट्स मां के चेहरे पर मुस्कान लाने और उनके दिल में बच्चों का प्यार जगाने के लिए होते हैं। कुछ बच्चे अपनी मां के लिए खास पकवान बनाते हैं तो कुछ उन्हें बाहर घूमने लेकर जाते हैं। वहीं, कई लोग मां को सुंदर तोहफे देते हैं। अगर आपने अभी तक अपनी मां के लिए कोई गिफ्ट नहीं लिया है तो चिंता की बात नहीहै। आजकल ऑनलाइन शॉपिंग ऐप्स के जरिए आप जल्दी से गिफ्ट्स खरीद सकते हैं और वह भी एक से दो घंटे में आपके घर तक डिलीवर कर दिए जाते हैं। तो, चलिए जानते हैं कुछ बेहतरीन मदर्स डे गिफ्ट्स आइडियाज के बारे में, जो खास और यादगार होंगे।

वॉलेट

मां के लिए एक अच्छा और स्टाइलिश वॉलेट गिफ्ट करना एक बेहतरीन आइडिया हो सकता है। आप अपनी मां की पसंद के हिसाब से वॉलेट का रंग और डिजाइन चुन सकते हैं। किसी अच्छे ब्रांड का वॉलेट खरीदें, क्योंकि यह न केवल दिखने में अच्छा लगेगा, बल्कि मां को यह रोजमर्रा के कामों में भी इस्तेमाल करने के लिए मिलेगा।

बाथ सेट

आजकल बाजार में कई बेहतरीन बाथ सेट्स उपलब्ध हैं, जो अच्छे दामों में ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। इन सेट्स में शावर जैल, बॉडी ऑयल, मॉइश्चराइजर, और बॉडी स्क्रब जैसी चीजें शामिल होती हैं। आप अपनी मां के लिए ऐसा बाथ सेट चुन सकते हैं, जो उनके त्वचा के प्रकार और पसंद के अनुसार हो। यह गिफ्ट न केवल उपयोगी होगा, बल्कि मां को आराम देने वाला भी होगा।

रूम फ्रेग्रेंस सेट

मां के कमरे को खुशबू से महकाने के लिए रूम फ्रेग्रेंस सेट एक बेहतरीन गिफ्ट हो सकता है। इसमें आप रूम फ्रेशनर, इंसेस स्टिक्स, कैंडल्स, ऑयल्स या डिफ्यूजर जैसी चीजें शामिल कर सकते हैं। इन सेट्स को ऑनलाइन आसानी से खरीदा जा सकता है। मां के पसंदीदा फ्रेग्रेंस का चुनाव करें, ताकि यह उनके लिए और भी खास हो।

जूलरी

हर महिला को जूलरी पसंद आती है, तो क्यों न मदर्स डे पर अपनी मां को कुछ खास जूलरी दी जाए। आप आर्टिफिशियल जूलरी, ब्रांडेड वॉच, इयरिंग्स, बैंगल्स, पेंडेंट या फिर कोई पारंपरिक जूलरी गिफ्ट कर सकते हैं। जूलरी मां के लिए एक बहुत ही अच्छा और प्यारा तोहफा हो सकता है।

किचन गैजेट

अगर आपकी मां को किचन में समय बिताना पसंद है, तो किचन के गैजेट्स एक अच्छा तोहफा हो सकते हैं। आप मां के काम को आसान बनाने के लिए कोई नया किचन गैजेट या यूटेंसिल गिफ्ट कर सकते हैं। जैसे कि एक अच्छा कॉफी मेकर अगर मां को कॉफी पीना पसंद हो, या फिर अगर वह चाय की शौकीन हैं तो उन्हें कुछ खास और नए टी बैग्स गिफ्ट कर सकते हैं।

टेक गैजेट्स

आजकल टेक गैजेट्स का दौर है, और आपकी मां भी इनका उपयोग करने में आनंद ले सकती हैं। आप अपनी मां को इयरबड्स, स्मार्ट वॉच, हेयर ड्रायर, फोन चार्जर, पावर बैंक, इलेक्ट्रिक हैंड फैन, रेडियो, डिजिटल कैमरा या ब्लूटूथ स्पीकर जैसी चीजें गिफ्ट कर सकते हैं। इन चीजों से न केवल मां का टाइमपास होगा, बल्कि वे और भी ज्यादा खुश रहेंगी।

यूनिक लैंप या वास

अगर आपकी मां को फूलों का शौक है या फिर वह अपने कमरे की सजावट को लेकर खासा ध्यान देती हैं, तो एक यूनिक लैंप या सुंदर वास गिफ्ट करना अच्छा विचार हो सकता है। ये चीजें न केवल देखने में सुंदर होती हैं, बल्कि आपके घर की सजावट में भी चार चांद लगा सकती हैं।

इन 4 बीमारियों में घी का सेवन करना खतरनाक

हम सब जानते हैं कि घी खाना स्वाद को बढ़ा देता है और हमारी सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कुछ बीमारियों में घी का सेवन हमारी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है? लेकिन हर चीज की तरह, इसका सेवन भी कुछ विशेष स्थितियों में हानिकारक हो सकता है। खासकर कुछ बीमारियों में घी का सेवन बहुत ही नुकसानदेह हो सकता है। आइए जानते हैं कि कौन सी बीमारियाँ हैं, जिनमें घी का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये जहर जैसा असर कर सकती हैं।

घी का सेवन किन बीमारियों में नहीं करना चाहिए

अमेरिकन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, घी में फैट की उच्च मात्रा पाई जाती है, जिससे पाचन से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं। इसलिए कमजोर पाचन शक्ति वालों को घी के सेवन से दूर रहना चाहिए। इससे आपको ब्लोटिंग, मतली, और अपच की समस्या हो सकती है।

लिवर से जुड़ी बीमारी में घी खाने से बचें

लिवर से जुड़ी बीमारियों में घी का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि घी में ज्यादा फैट होता है, जो लिवर पर ज्यादा दबाव डाल सकता है। लिवर हमारे शरीर में टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और पाचन में मदद करता है। जब लिवर पहले से ही इन्फेक्टेड या कमजोर होता है, तो वह घी जैसी भारी चीजों को पचाने में कठिनाई महसूस करता है। इसलिए, लिवर की बीमारी से जूझ रहे लोगों को हल्का और आसानी से पचने वाला आहार लेना चाहिए, जैसे कि उबली हुई सब्जियां, दालें और ताजे फल, ताकि लिवर पर ज्यादा दबाव न पड़े।

मोटापा

घी में उच्च कैलोरी होती है, और अगर इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए तो यह वजन बढ़ाने का कारण बन सकता है। मोटापे के रोगियों के

लिए यह बहुत हानिकारक हो सकता है क्योंकि घी के सेवन से शरीर में फैट जमा हो सकती है, जिससे मोटापे की समस्या बढ़ सकती है। मोटापे के कारण अन्य बीमारियां जैसे हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है। मोटापे से जूझ रहे व्यक्ति को घी का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए और हेल्दी फैट्स (जैसे एवोकाडो, जैतून का तेल) का चुनाव करना चाहिए।

दिल की बीमारी

घी में जनतंजमक जि (सैचुरेटेड फैट) होता है, जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा सकता है। अगर किसी व्यक्ति को दिल की बीमारी है या वह दिल की बीमारी के खतरे में है, तो घी का अधिक सेवन खतरनाक हो सकता है। यह ब्लड वैसल्स में रुकावट डाल सकता है, जिससे दिल का दौरा या अन्य समस्याएं हो सकती हैं।दिल की बीमारी वाले व्यक्ति को घी के बजाय ओमेगा–3 फैटी एसिड्स वाले खाद्य पदार्थों जैसे मछली, अखरोट या अलसी के बीज का सेवन करना चाहिए।

मां को है सजने-संवरने का शौक, तो मदर्स डे पर दें ये स्पेशल तोहफे

मां की भूमिका, त्याग और समर्पण को सम्मानित करने के लिए हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। इस बार मदर्स डे पर अपनी मां को खास महसूस कराने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप उन्हें उनके सौंदर्य और आत्म–देखभाल के लिए कुछ शानदार ब्यूटी प्रोडक्ट्स गिफ्ट करें। आज हम आपको कुछ शानदार ठमंनजल च्तवकनबज ळपजि प्कमें बताने जा रहे हैं जो आप अपनी मां के लिए खरीद सकते हैं।

फेशियल स्किनकेयर किट

मां के लिए एक अच्छा स्किनकेयर सेट खरीदें जिसमें क्लीन्जर, टोनर, मॉइस्चराइजर और फेस मास्क शामिल हो। ऑर्गेनिक या एंटी–एजिंग फॉर्मूलाचुनें ताकि त्वचा को नमी और चमक मिले।

हर्बल बॉडी मसाज ऑयल या बॉडी बटर

तनाव कम करने और आराम देने के लिए हर्बल बॉडी मसाज ऑयल या बॉडी बटर बढ़िया है। लैवेंडर, रोज या सैंडलवुड की खुशबू वाले ऑयल बढ़िया विकल्प हैं।

नेल केयर किट या मैनीक्योर–पेडीक्योर सेट

नेल केयर किट या मैनीक्योर–पेडीक्योर सेट से आपकी मां को घर बैठे स्पा जैसा अनुभव मिलेगा। इसमें नेल फाइलर, क्यूटिकल ऑयल, नेल पॉलिश आदि हो सकते हैं।

हैंड और फुट केयर किट

दिनभर काम करने वाली मां के हाथ और पैरों के लिए पोषण और आरामदायक ट्रीटमेंट है।

प्रीमियम लिपस्टिक या लिप बाम सेट

एक खूबसूरत लिप कलर मां के आत्मविश्वास को और बढ़ा देता है। आप अपनी मां के लिए मैट, ग्लॉसी या नूड टोन चुन सकते हैं।

फेस रोलर और गुलाब जल स्प्रे

फेस रोलर चेहरे की मालिश के लिए आदर्श होता है। गुलाब जल दिनभर ताजगी देने में मदद करता है।

हेयर केयर गिफ्ट बॉक्स

शैंपू, कंडीशनर, हेयर सीरम और हेयर मास्क शामिल हो सकते हैं। आर्गन ऑयल या केराटिन आधारित प्रोडक्ट्स अच्छे होते हैं।

मेकअप मिनी ट्रैवल किट

अगर आपकी मां को मेकअप पसंद है तो यह बेस्ट गिफ्ट है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा लखनऊ समागम में आयोजित बैठक में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के एक महत्वपूर्ण बैठक में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के महामंत्री अजय काबरा और विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के विशेष सचिव राकेश जी मालपानी उपस्थित थे।इस बैठक में प्रदेश के समस्त समाज के बंधुओं के साथ संगठनात्मक गतिविधियों के साथ अभिवृद्धि करना और महासभा के विजन और मिशन से समा ज बंधुओं को अवगत कराना था ।पूर्वी उत्तर प्रदेश के मीडिया प्रभारी विनोद माहेश्वरी ने आए हुए बन्धु का स्वागत किया बैठक में प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर, गोंडा, बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर, अमेठी, शाहगंज, ऊंचाहार, रेणुकूट, भदोही, रायबरेली, गोला सहित 35 जिलों से समाज बंधु एकत्र हुए। वहीं इस बैठक में महासभा की कल्याणकारी योजनाओं को समाज के सभी वर्गों, बच्चों, युवाओं, महिलाओं तक पहुंचाने पर चर्चा की गई। इसके अलावा, जोधपुर में जनवरी में होने वाले अंतराष्ट्रीय महाधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आगाज किया गया। बैठक में अजय काबरा, लोकेंद्र करवा, भारती करवा, राज कुमार कोठारी, विनोद प्रकाश हरि कृष्ण राठी शशि जी नेवर, शरद लाहोटी, संजीव माहेश्वरी द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इस बैठक का आयोजन माहेश्वरी समाज लखनऊ और ट्रांस गोमती माहेश्वरी समाज गोमती नगर लखनऊ द्वारा किया गया था। बैठक में समाज के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और समाज के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सर्वप्रथम महेश वंदना दीप जलाकर शुरुआत की गई राष्ट्रीय गीत के साथ बैठक की शुरुआत की गई मिशन आईएएस पर चर्चा की गई इस कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राज कुमार कोठारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री राम माहेश्वरी, प्रदेश मंत्री रवींद्र गांधी, प्रदेश संगठन मंत्री विनम्र माहेश्वरी, कोठारी बंधु शौर्य स्मृति ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकेंद्र जी करवा,महेश सेवा ट्रस्ट के अखिल भारत वर्षीय महेश्वरी महिला संगठन सदस्या शशि जी नेवर, पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन , मंत्री पुष्पा जी धूत, संगठन मंत्री आभा काबरा, माहेश्वरी समाज महिला संगठन अध्यक्षा किरण कलंत्री, श्री राम माहेश्वरी बनारस का विशेष सम्मान किया गया

ट्रांस गोमती माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्षा बबिता सोमानी, उषा आभा काबरा माहेश्वरी युवा समाज से सुनील संस्कार माहेश्वरी मीडिया प्रभारी विनोद माहेश्वरी आदि उपस्थित रहे। सीतापुर से देवकी नंदन मालपानी

निखिल गोविंद संजीव विनय गिरधारी सोमानी राधे श्याम जी अंशु. विकास प्रदीप झंवर नितिन जी राजीव बंग की प्रमुख रूप आए हुए अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया इस अवसर प्रदेश की सृजन कला और बच्चों युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए कला प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसका संयोजन विनय माहेश्वरी ने किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 10 छात्रों को एचसीएल टेक में हुआ प्लेसमेंट, अब तक कुल 43 छात्रों का एचसीएल में हुआ चयन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में अंतिम वर्ष (बैच 2025) के 10 मेधावी छात्रों का देश की अग्रणी आईटी कंपनी एचसीएल टेक में चयन हुआ। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह और केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल चयनित छात्रों का गौरव बढ़ाती है, बल्कि उन सभी विद्यार्थियों को भी प्रेरणा देती है जो आज मेहनत की राह पर हैं। यह उपलब्धि आपकी मेहनत, धैर्य और निरंतर प्रयासों की पहचान है। आप सभी ने यह सिद्ध किया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उस तक पहुंचने की दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। यह सफलता आपके जीवन की पहली सीढ़ी है कृ इसे अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत मानें। प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ हिमांशु पांडेय ने बताया कि एचसीएल टेक की बहुस्तरीय चयन प्रक्रिया–रिज्यूमे शॉर्टलिस्टिंग, अप्टिट्यूड टेस्ट, तकनीकी साक्षात्कार, बिजनेस एचआर राउंड और कैंपस एचआर इंटरव्यू में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिसमे बी.टेक के सात छात्र–छात्राओं –राहुल वर्मा, हर्ष शर्मा, सूरज कुशवाहा, मानस सिंह, महेन्द्र प्रताप गौतम, हर्षित शुक्ला एवं नैंसी राज को घ्3.25 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर "ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी" पद की पेशकश की गई। वहीं बीसीए की वर्तिका चौहान, बीबीए के अगमजोत सिंह चावला एवं बी.कॉम की शंखिनी श्रीवास्तव का चयन "ग्रेजुएट ट्रेनी" पद पर घ्2.4 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है।

डॉ. पांडेय ने यह भी जानकारी दी कि प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित तीन चरणों की चयन प्रक्रिया के माध्यम से अब तक कुल 43 छात्र–छात्राएं एचसीएल टेक में नियुक्त किए जा चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिले मे अवैध रूप से शिक्षण संस्थाओं पर गठित जांच समिति कस रही शिकंजा - अवनीश पाण्डेय

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या)

अयोध्या।शिक्षा विभाग ने जिले में अवैध रूप से संचालित कोचिंग संस्थानों,स्कूल कॉलेजों पर शिकंजा कसने के लिए डीआईओएस डॉ पवन तिवारी तथा बीएसए संतोष कुमार राय ने जांच समिति गठित किया है।जिसमें सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पांडे के अलावा सभी विकास खंडो के खंड शिक्षा अधिकारियों को शामिल किया गया है।जांच समिति मे शामिल संचालित सदस्य ऐसे कोचिंग, स्कूल व कालेज जो गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों एवं अवैध रूप से बिना पंजीकरण के संचालित है उन कोचिंग संस्थाओं, स्कूल कॉलेज का गहन निरीक्षण कर इसकी रिपोर्ट कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों तक सौंपेंगे। देखना यह है कि हमेशा की तरह शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा इस जाट समिति का गठन मैं या जुलाई में होता है क्योंकि इस समय उत्तीर्ण छात्र–छात्राओं का कोचिंग में प्रवेश के साथ–साथ प्रतियोगी परीक्षार्थी भी शहर के नामी ग्रामीण कोचिंग संस्थानों में अपना दाखिला लेते हैं।हर वर्ष इस तरह के अवैध कोचिंग संस्थानों तथा स्कूल कॉलेज पर शिकंजा कसने के लिए जांच समिति का गठित होती है लेकिन नतीजा वही रहता है। देखा जाए तो पिछले साल भी डेढ़ दर्जन कोचिंगों का पंजीकरण जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में हुआ था।आज भी कुल लगभग 15 कोचिंग ही मात्र जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पंजीकृत हैं।इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पवन कुमार तिवारी ने बताया जिले में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मात्र 15 कोचिंग ही कार्यालय में पंजीकृत है।बताया कि इसी तरह कई ऐसे स्कूल कॉलेजों की शिकायत कार्यालय में मिल रही है जहां पर मान्यता के विपरीत बच्चों का पंजीकरण कराया जा रहा है।इन सब पर अंकुश लगाने के लिए जांच समिति का गठन किया गया है।

जफराबाद पुलिस पर पिता व दो पुत्रियों का एक पक्षीय चालान करने का आरोप

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद।जलालपुर क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी एक व्यक्ति तथा उसकी दो पुत्रियों का थाने पर तैनात एक दरोगा पर शनिवार की शाम को एक पक्षीय चालान करने का आरोप लगाया जा रहा है।आरोप है विपक्षियों की मिलीभगत सेकर झूठी मारपीट की घटना दर्शाते हुए एक पक्षीय कार्रवाई किया गया। पीडित द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करके न्याय की गुहार लगाई गई है। ऊक्त गांव के विजय प्रताप पाण्डेय के घर के सामने स्थित चारा मशीन के पास उनके पड़ोसी ने कूड़ा फेंक दिया। जब विजय प्रताप की लड़की ने सफाई करने लगी तब बात हाथापाई तक पहुंच गयी।पीड़ित की सूचना पर 100 डायल पुलिस पहुंच गयी। दोनों पक्षों को थाने भेजा गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि थाने पहुंचने के बाद पुलिस ने विपक्षियों से मिलीभगत कर एकतरफा कार्यवाही किया। पीड़ित परिवार ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही थाने में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवाकर जांच कर दोषियों को सजा दिलाने की मांग की जा रही है।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में 10 लाख रुपये देने की घोषणा, अध्यक्ष देव प्रकाश शुक्ला ने दी जानकारी

नई दिल्ली।राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला जी ने आज घोषणा की कि उनकी संस्था ।टछ पुरी राष्ट्र युवा वाहिनी टीम द्वारा प्रधानमंत्री राहत कोष में 10 लाख रुपये की राशि दान की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह सहायता राशि जल्द ही प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी को सौंपी जाएगी। यह सहयोग पूरे संगठन की तरफ से दिया जा रहा है। देव प्रकाश शुक्ला जी ने ।टछ सेना के पराक्रम की सराहना करते हुए कहा, "यह अब पुराना भारत नहीं रहा, यह नए युग का भारत है। यहाँ ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा।" उन्होंने पाकिस्तान का समर्थन करने वालों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि ऐसे लोगों को भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है कृ उन्हें पाकिस्तान भेज देना चाहिए। उन्होंने देश के लोगों से अपील की कि वे जय श्रीराम, जय गौ माता, जय हिंदुत्व, जय हिंदू राष्ट्र और जय भारत माता के नारों के साथ राष्ट्र की ।

इरम पब्लिक कॉलेज मदर्स डे: छात्रों की माँ को सम्मानित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इरम पब्लिक कॉलेज, इन्दिरा नगर, लखनऊ में प्रायमरी के छात्रों की माताओं को सम्मानित करने हेतु विशेष कार्यक्रम मदर्स डे आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र छात्राओं ने विद्यालय में सीखे नृत्य, नृत्य नाटिका कविता इत्यादि प्रस्तुत की। साथ ही माताओं के लिये विभिन्न प्रतियोगिताए भी हुई जिसमें अभिभावकों ने नृत्य इत्यादि से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। प्रधानाचार्या श्रीमती सहर सुल्तान ने आमंत्रित माताओं को अपने बच्चों के प्रति त्याग एवं सुखों का बलिदान करने हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने माताओं से कहा कि बच्चों को सिखाना चाहिए कि माँ का उनके जीवन में क्या महत्व है साथ ही कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पुत्र पुत्री में भेदभाव न करें अन्यथा बच्चों में मानसिक समस्याऐं उत्पन्न होती हैं साथ ही बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में बताने को भी कहा। कार्यक्रम के अन्त में एक्टिव मॉम, लैपटॉप मॉम, रचनात्मक मॉम, वॉन्डर मॉम इत्यादि नामों से सम्मानित कर पुरूस्कार प्रदान किये। तनय श्रीवास्तव की माता, श्रीमती इन्दु श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में होने वाले कार्यक्रमो से बच्चों का बौद्धिक एवं शारिरिक विकास होता है वहीं दियांश की माँ श्रीमती रिंकी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि विद्यालय के क्रियाकलाप से हम बहुस संतुषट हैं। कार्यक्रम का सराहनीय संचालन मदर टीचर प्रियांका पाठक, मनीषा सिंह, एवं सना फरहीन ने प्रधानाचार्या के मार्ग दर्शन में किया। यह जानकारी इरम पब्लिक कॉलेज, के मीडिया प्रभारी मयंक श्रीवास्तव ने दी।

संक्षिप्त समाचार

किशोरी को भगाने वाला युवक गिरफ्तार, किशोरी बरामद

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के टोलप्लाजा मोड़ के पास रविवार की भोर में एक गांव की किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले 19 वर्षीय युवक को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया। भगा ले गया। किशोरी के पिता ने आरोप लगाया था कि शनिवार की भोर में उसकी बेटी को जलालपुर थाना क्षेत्र गोपालपुर गांव निवासी गौरव कुमार बहला फुसलाकर भगा ले गया। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश यादव का बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी पर मुकदमा दर्ज किया गया।उसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।किशोरी का मेडिकल कराया जा रहा है।

दबंगों ने घर में घुसकर मां बेटी बेटों को पीटा पांच घायल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के हरबसपुर छून्छा गांव में दबंगों ने भोर मे घर में घुसकर लाठी डंडों से मां बेटी और दो बेटों को समेत पांच लोगों को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि महिला के शरीर से जेवर नोच लिए घर में तोड़फोड़ की और घर के बक्से अटैची सब बाहर फेंक दिए ।पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। उधर घर में घुसकर मारने पीटने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। बता दे की हरबसपुर छून्छ गांव में विश्वास मिश्रा का परिवार पुश्तैनी मकान में रहता है। विश्वास मिश्रा बाहर ड्यूटी पर गए हुए थे। दबंगों ने पहले तो शनिवार की रात पूनम मिश्रा को करने का प्रयास करते हुए जान से मारने की धमकी दी, लेकिन वह दरवाजा बंद कर भीतर बन्द हो गई। लेकिन आधा दर्जन की संख्या मे एक जुट होकर दबंगों ने रविवार की सुबह घर पर हमला कर दिया और घर में घुसकर लाठी डंडे ईट से पूनम और उनके बच्चों बेटी को मारना शुरू कर दिया। बचाव परिवार में इधर–उधर चिल्लाने भागने लगी। लेकिन दबंगों ने घर में घेर कर पीटा और इसके बाद करकट दरवाजे दीवाल तोड़ दिए । घर के अंदर रखे सभी बक्से अटैची बर्तन सब बाहर फेंक दिए और इस दौरान घायल पूनम ने आरोप लगाया की चेन अंगूठी पायल और कान की बाली भी छीन लिए। दबंगों ने जान मरते की धमकी देते हुए कहा कि पुलिस में शिकायत करोगी तो जान से मार देंगे। इसके पूर्व मे मारने पीटने को लेकर पूनम मिश्रा ने पुलिस विभाग में शिकायत की थी। जिसके कारण दबंगो ने घटना को अंजाम दिया। दबंग के हमले में 44 वर्षीय पूनम, 13 वर्षीय बेटी सृष्टि 20 वर्षीय बेटा श्रेयस, 17 वर्षीय बेटा श्रुअस और 42 वर्षीय विवेकानंद घायल हुआ। मौके पर वह 112 नंबर पुलिस को सूचना दी। उधर सूचना पाकर ड्यूटी से विश्वास मिश्रा घर पहुंच गए और सृष्टि गंभीर रूप से घायल लोग थी, जिसे उपचार के लिए वह अस्पताल ले गए। घटना से परिवार दहशत में है। पीड़ित का पति विश्वास मिश्रा का आरोप है कि यह लोग आए दिन हमारा पुश्तैनी मकान आवादी की जमीन हड़पने के चक्कर में मारते पीटते हैं और पुलिस भी सुनवाई नहीं करती है। इसके पहले चार दिन पूर्व भी मारे थे। जिसकी शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन पुलिस ने कोई करवाई नही की थी। इससे खुन्नस खाए हुए मनबढो ने दोबारा घटना को अंजाम दिए।

फीनिक्स पलासियो में बच्चों के लिए सजेगी मस्ती और मनोरंजन की अनोखी दुनिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इस गर्मी, फीनिक्स पलासियो लखनऊ में लेकर आ रहा है एक ऐसा अनुभव, जो पहले कभी नहीं हुआ। मॉल अब सिर्फ खरीदारी या परिवार के साथ भोजन की जगह नहीं, बल्कि बन गया है 'हॉलिडे लैंड' कृ एक ऐसी रंगीन और जीवंत दुनिया, जहाँ हर कदम पर मस्ती, कल्पना और जादूभरा माहौल होगा। इस अनोखी दुनिया की सबसे बड़ी खघसियत है कि पहली बार उत्तर भारत में 9 मई से 1 जून तक आयोजित हो रहा ष्कोकोमेलन लाइव एक्सपीरियंसष्। यूट्यूब के जरिए दुनिया भर में बच्चों के बीच अपने 3डी एनिमेशन वीडियो जो मशहूर कोकोमेलन अब आपके शहर में आ रहा है, जहाँ बच्चे अपने प्यारे जे.जे. , टॉमटॉम और अपने दोस्तों से मिल सकेंगे, उनके साथ गा सकेंगे और खेल सकेंगे। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, एक ऐसा अनुभव है जो बच्चों की छुट्टियों को हमेशा के लिए यादगार बना देगा। कोकोमेलन सिर्फ मनोरंजन नहीं है। यह बच्चों के शुरुआती विकास में भी मदद करता है। मजेदार गानों, रंग–बिरंगे सीन और बच्चों से जुड़ी कहानियों के जरिए उन्हें बहुत कुछ सिखाता है जैसे यहां बच्चे अक्षर, गिनती, रंग और बेसिक कॉन्सेप्ट सीखते हैं। इससे बच्चों की याददाश्त, मोटर स्किल्स और हैंड आई को–ऑर्डिनेशन बेहतर होता है। बोलचाल और भाषा की समझ बढ़ती है। बच्चे भावनाओं को समझना, दूसरों से मिलना और रोज की आदतें सीखते हैं। पेरेंट्स द्वारा अपने बच्चों को कोकोमेलन के लाइव एक्सपीरियंस में लाने से उन्हें खेलने और सीखने के लिए एक सुरक्षित और इंटरएक्टिव जगह मिलती है। बच्चे और माता–पिता साथ मिलकर बिना किसी स्क्रीन के मजे कर सकते हैं। यह एक ऐसा मौका है जहां बच्चे गेम्स खेलेंगे, फोटो खिंचवाएंगे और अपने फेवरेट कोकोमेलन कैरेक्टर से मिल सकेंगेकृ यानी ढेर सारी खुशियों और यादों से भरा एक दिन की ये शानदार गारंटी है। कोकोमेलन के इस लाइव एक्सपीरियंस में, बच्चों को ष्फार्म और अकादमी जोन जैसे सेक्शन मिलेंगे। इसमें फार्म जोन में बच्चे बार्न, जानवरों को चारा खिलाना, फार्म पैच की, जानवरों की पहचान, विंडमिल, बटरफ्लाइ और फ्लावर जोन जैसे मजेदार ऑप्शन हैं। वहीं, अकादमी जोन में बीच, ओशन, सोलर, बलून, फॉरेस्ट, मैट और साइंस जैसे अकेडमिक थीम्स के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इसके बाद बच्चे एक रोमांचक ष्ऑब्स्टेकल कोर्सष में भाग ले सकते हैं, जिसमें स्कैवेंजर हंट, मैग्नेटिक ट्रेन, लंदन ब्रिज ब्लॉक्स, बजर– स्टडी हैंड्स, फ्लिप द कार्ड और पजल्स जैसी गतिविधियों में शामिल होंगी। यह चरण उनकी रचनात्मकता और समस्या–सुलझाने के कौशल को बढ़ाएगा। फिर बच्चे डांस जोन का आनंद ले सकेंगे। यहाँ वो इंस्ट्रक्टर के साथ डांस में शामिल होते हैं। इसमें ष्साइमन सायाष, ष्फ्रीज डांसष, ष्एनिमल डांसष, ष्म्यूजिक नोट्सष के साथ एक्शन वाले गानों जैसे ष्हील्स ऑफ द बसष, ष5 लिटल डक्सष, ष्ओल्ड मैकडोनाल्डष, ष्बाबाष, ष्ए बी सीष, ष्हेड शोल्डर्सष, और ष5 मंकीजष्जैसे गानों पर एक्शन के साथ मस्ती कर सकते है। अंतिम चरण में, बच्चों को कोकोमेलन के पसंदीदा किरदारों से मिलने और ग्रुप फोटो खिंचवाने का मौका मिलेगा। साथ ही, उन्हें यादगार गिफ्ट्स भी दिए जाएंगे। यह पूरा अनुभव बच्चों के लिए सीखने और अपनी उम्र के अन्य बच्चों के साथ घुलने, मिलने का एक शानदार मौका है। फीनिक्स पलासियो इस समर सीजन को बच्चों और परिवारों के लिए एक श्फैमिली फेस्टिवलश में बदल रहा है। कोकोमेलन के साथ–साथ बच्चों के लिए ऐक्टिविटी एरिया, फोटो बूथ, लाइव शो और कई इंटरऐक्टिव अनुभव होंगे जो उन्हें आनंदित करने का काम करेंगे।

एल.पी.एस. में इण्टरब्रांच इंग्लिश डिबेट प्रतियोगिता सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज के बी–ब्लॉक राजाजीपुरम स्थित एसपी लाइसियम प्रेक्षागृह एवं लखनऊ पब्लिक कॉलेज, ए–ब्लॉक, राजाजीपुरम में इण्टरब्रांच अंग्रेजी डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्राइमरी से कक्षा–12 तक के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली की सीनियर कोर्ट असिस्टेंट साक्षी चतुर्वेदी , एमिटी यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ कौशल यादव, टाइम्स ग्रुप से अर्पित गुप्ता, विदुर कपूर व विकास चंद्र मिश्रा उपस्थित रहे । प्रतियोगिता में ग्रुप 'ए' से वृंदावन योजना शाखा के अन्वेष मिश्रा व अद्रा सिंह विजेता एवं डी एल एफ गार्डन सिटी शाखा के निश्छल अवस्थी व देवांशी पाल उपविजेता रहीं । ग्रुप 'बी' से डी एल एफ गार्डन सिटी शाखा के यजत उपाध्याय तथा प्रखर द्विवेदी विजेता तथा आनन्द नगर व सहारा स्टेट शाखा की निध्याशी मिश्रा, आराध्या सिंह, कौशिकी मिश्रा व विदुषी मिश्रा उपविजेता रहीं। ग्रुप 'सी' से ए–ब्लॉक राजाजीपुरम शाखा की गजाला फातिमा व दिव्यांशी पटेल विजेता तथा वृंदावन योजना शाखा के आदर्श त्रिपाठी व असित सचान उपविजेता रहीं। ग्रुप 'डी' से ए–ब्लॉक राजाजीपुरम शाखा के आराध्या सक्सेना व सारा अजीम विजेता व गोमती नगर शाखा के उनैजा शकील व सृष्टि श्रीवास्तव उपविजेता रहीं। ग्रुप 'ए' से वृंदावन योजना शाखा के अन्वेष मिश्रा, ग्रुप 'बी' से डी एल एफ गार्डन सिटी शाखा के प्रखर द्विवेदी, ग्रुप 'सी' से वृंदावन योजना शाखा के असित सचान व ग्रुप डी से सीतापुर शाखा के कार्तिकेय श्रीवास्तव सम्रश्रेष्ठ वक्ता चुने गये।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण कर देखी शिक्षण व्यवस्था

जौनपुर विकासखण्ड सिकरारा के गोहदा गाँव के प्राथमिक विद्यालय गोहदा का बीएसए डॉ० गोरखनाथ पटेल ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहाँ बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता देखी। साथ ही बच्चों को पूरी तरह से निपुण करने के निर्देश दिए। बीएसए ने प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण कर बच्चों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण में बीएसए द्वारा, कार्मिक उपस्थित पंजिका, मध्याह्न भोजन रजिस्टर, कक्षावार बच्चों की उपस्थिति पंजिका, विद्यालय की आय–व्यय पंजिका व निपुण लक्ष्य की लिस्ट को चेक किया गया। निरीक्षण में विद्यालय में कार्यरत समस्त कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित पाए गए। विद्यालय द्वारा वर्तमान शैक्षिक सत्र में बीएसए ने निपुण बच्चों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हुए शत प्रतिशत बच्चों को निपुण बनाए जाने के साथ–साथ विद्यालय में उपस्थित एवं ठहराव हेतु निर्देशित किया। बीएसए ने प्रधानाध्यापक से स्कूलों में अध्यापकों की उपस्थिति पूछी, जिसमें बताया गया कि विद्यालय पर कार्यरत अध्यापक नियमित रूप से विद्यालय में आकर आपस में समन्वय स्थापित करते हुए शैक्षणिक कार्यों के साथ–साथ अन्य विभागीय कार्यों में अपेक्षित सहयोग प्रदान करते हैं। साथ ही साथ प्रधानाध्यापक द्वारा बीएसए को बताया गया कि विद्यालय में कार्यरत समस्त अध्यापकों ने आपसी सहयोग से विद्यालय में अध्यनरत छात्रों के लिए शनिवार के दिन के लिए अलग से यूनिफॉर्म की व्यवस्था की गई है। बीएसए द्वारा उक्त के संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक सहित समस्त अध्यापकों की प्रशंसा की गई।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल ने कक्षा–एक में जाकर अध्यापक से पढ़ाए जा रहे विषय एवं किस एक्टिविटी के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जा रहा है, के बारे में जानकारी ली। इसके बाद स्कूल के भौतिक परिवेश का निरीक्षण किया गया, विद्यालय के भौतिक परिवेश से बीएसए प्रसन्न दिखे।

उन्होंने पढ़ाई में कमजोर बच्चों को अलग से क्लास देकर पढ़ाने के निर्देश दिए गए, ताकि वह भी निपुण बन सके। प्रधानाध्यापक को बीएसए ने निर्देशित किया कि जो बच्चे लम्बे वसमय से स्कूल नहीं आ रहे हैं, उनके माता–पिता से वार्ता कर उन्हें स्कूल लाया जाए, ताकि वह पढ़ाई में पीछे न रहे। निरीक्षण के समय बीएसए ने स्कूल में मिड–डे मील को भी चेक किया। विद्यालय में मध्याह्न भोजन मीनू के अनुसार बनता हुआ पाया गया। इसके अलावा शौचालय–पानी आदि व्यवस्था को भी बीएसए द्वारा देखा गया।

तत्पश्चात बीएसए द्वारा विकासखण्ड सुजानगंज के प्राथमिक विद्यालय नाहरमऊ एवं प्राथमिक विद्यालय कुन्दहा का औचक निरीक्षण किया गया।

दो दिवसीय महर्षिवाल्मीकि रचित श्री राम कथा वेद अनुसार संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रुड़की,हरिद्वार। रामनगर आर्य समाज के प्रांगण में दो दिवसीय महर्षि वाल्मीकि रचित श्री राम कथा वेद अनुसार श्रद्धेय आचार्य पवन वीर द्वारा संपन्न हुई। दो दिन तक चली राम कथा का आनंद भक्त जनों ने उठाया। राम कथा समापन के पूर्व पुरोहित श्रद्धेय पवन वीर के द्वारा यज्ञ संपन्न हुआ जिसमें यजमान की भूमिका सुमित परिवार ने निभाई। इस अवसर पर विद्वान निरंजन एवं आचार्य योगेंद्र मेधावी ने उपस्थित होकर यजमान को आशीर्वाद दिया।

उपस्थित भक्त जनों ने ऋषि लंगर का आनंद लिया। धार्मिक आयोजन के अंत में आर्य समाज प्रधान रामनगर, रामेश्वर प्रसाद सैनी, मंत्री, संदीप एडवोकेट एवं कोषाध्यक्ष नीरज सैनी समेत उपस्थित भक्त जनों एवं सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

"पेरियो-ला-पीजो" का सफल आयोजन सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में परियोडोंटोलॉजी में एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर पर सम्पन्न "भारतीय परियोडोंटोलॉजी सोसाइटी" (आई.एस.पी.) इंटीग्रेट कार्यक्रम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ । सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, लखनऊ के परियोडोंटोलॉजी विभाग द्वारा भारतीय परियोडोंटोलॉजी सोसाइटी (आई.एस.पी.) के तत्वावधान में एक दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम "पेरियो–ला–पीजो" का आयोजन 09 मई 2025 को किया गया। यह कार्यक्रम परियोडोंटोलॉजी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति और अकादमिक उत्कृष्टता का संगम सिद्ध हुआ। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की शोभा मुख्य अतिथि श्री राजीव कृष्णा (आई.पी.एस.), महानिदेशक, पुलिस सतर्कता विभाग, उत्तर प्रदेश ने बढ़ाई। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे श्री सतीश त्रिपाठी, राज्य सलाहकार, एनटीसीपी (उत्तर प्रदेश)। इन गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया और जनस्वास्थ्य तथा क्लीनिकल प्रैक्टिस के समन्वय को बल प्रदान किया। कार्यक्रम में देशभर से आए परियोडोंटोलॉजी क्षेत्र के ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए, जिनमें शामिल थेरूलेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. सतीशा टी.एस., डॉ. निंकिया पंडित और डॉ. विशाखा ग्रोवर कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जो शिक्षा और ज्ञान के प्रकाश का प्रतीक रहा। इसके पश्चात एक ट्रेड फेयर का उद्घाटन किया गया, जिसमें दंत चिकित्सा से जुड़ी नवीनतम तकनीकों, उपकरणों और उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों को इन अत्याधुनिक संसाधनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम की विशेषता रही इसकी हैंड्स–ऑन वर्कशॉप्स, जो लेजर थैरेपी और मैग्नेटिक मैलेट पर केंद्रित थीं। ये कार्यशालाएं विशेष रूप से पीजी छात्रों और दंत चिकित्सकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुईं। इस आयोजन को सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल की प्रमुख हस्तियों का पूर्ण समर्थन प्राप्त रहा, जिनमें शामिल थे। श्रीमती मधु माथुर (चेयरपर्सन), डॉ. रजत माथुर (अध्यक्ष), डॉ. कुणाल साह (प्राचार्य), एवं डॉ. कमलेश सिंह (उप–प्राचार्य)। समापन सत्र में डॉ. रजत माथुर ने परियोडोंटोलॉजी विभाग के सराहनीय प्रयासों के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की, विशेष रूप से इस दूरदर्शी पहल को साकार रूप देने में जिनका मार्गदर्शन और योगदान प्रमुख रहा। कर्नल (डॉ.) अनिल कुमार झा (आयोजन अध्यक्ष), डॉ. विवेक बैंस (आयोजन सचिव), डॉ. चेतन चंद्रा (वैज्ञानिक समिति अध्यक्ष), डॉ. रुचि श्रीवास्तव (पंजीकरण प्रभारी), तथा डॉ. सुनाक्षी सोई (कोषाध्यक्ष)। सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने यू. पी. पुलिसकर्मियों व उनके परिवारों के लिए निःशुल्क डेंटल सेवाएं प्रदान करने की घोसना की, जो उनकी सेवा को सम्मान देने की एक सराहनीय पहल रही। इसी कार्यक्रम में जेपी फार्मा ने ट्रेड फेयर के दौरान अपनी नई दवा लॉन्च की, जिसने चिकित्सा नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाया। ये दोनों पहलें जनस्वास्थ्य और सामुदायिक सहयोग को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रहीं।।"पेरियो– ला–पीजो" के माध्यम से सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि वह दंत चिकित्सा शिक्षा, नवाचार और उत्कृष्ट रोगी देखभाल के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

चलती ट्रेन में महिला का पर्स छीनकर भागे एक बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार, दो मौके से फरार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। जफराबाद क्षेत्र के नाथुपुर गांव के पास रविवार की भोर में चलती ट्रेन से महिला का पर्स छीनकर भागने वाले बदमाश को आरपीएफ के जवान व रेलवे के एक पॉइंट मैन ने दबोच लिया।दो बदमाश भाग निकले।बदमाश को पकड़ने में आरपीएफ का जवान व एक रेलवे का पॉइंट मैन घायल हो गए। कर्नाटक के नवलकुंद थाना क्षेत्र के तिरलापुर गांव निवासी वेंकटेश रेड्डी अपनी पत्नी रत्ना रेड्डी के साथ अयोध्या से भगवान श्रीरामजी का दर्शन पूजन करने आये थे।दर्शन करने के बाद रविवार की रात को दम्पति लखनऊ से छपरा जाने वाली 15054 लखनऊ छपरा एक्सप्रेस पर सवार हो गए।वे वाराणसी जा रहे थे।ट्रेन जैसे ही जफराबाद स्टेशन के नजदीक नाथुपुर गांव के पास पहुंची।ट्रेन की रफ्तार थोड़ी कम हुई थी।उसी समय वेंकटेश रेड्डी अपनी पत्नी के साथ बाथरूम आये थे।उनकी पत्नी बाथरूम के बाहर खड़ी थी।तभी एक बदमाश ऊक्त महिला का पर्स लेकर चलती ट्रेन से कूद गया।महिला शोर मचाने लगी।ट्रेन की लोगो ने चौन पुलिंग कर दिया पर्स में महिला के दो मोबाइल फोन,ईयर फोन, एक नवरत्न की अंगूठी व एक हजार रुपये थे।ट्रेन चार बजकर 50 मिनट पर जफराबाद स्टेशन और आकर रुक गयी।दम्पति ट्रेन से उतर गए।चौन पुलिंग होते ही मौके पर आरपीएफ के जवान उमाशंकर भाग कर पहुंच गए।घटना की जानकारी होते ही वे तत्काल बदमाश जिस तरफ भागे थे।उधर दौड़ कर जाने लगें।उनके साथ वहां काम कर रहे पॉइंट मैन फकरे आलम भी दौड़ पड़े।दोनों ने एक बदमाश को पकड़ने का प्रयास किया।बदमाश ने दोनों पर हमला कर दिया।दोनो के सिर हाथ व चेहरे पर चोट भी आयी।उसके बाद भी दोनो ने एक बदमाश को पकड़ लिया।उसके बाद 112 डायल कर सिविल पुलिस को बुलाया।पुलिस व आरपीएफ के जवान सहित जफराबाद थाने पर आये।वहां पीड़ित दम्पति भी आ गए।आरपीएफ के जवान ने बताया कि बदमाश के पास चार मोबाइल फोन,दो सोने की चौन,ईयर फोन आदि थे।जफराबाद थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि घटना में पकड़ा गया बदमाश लाल मोहम्मद पुत्र आदिल निवासी नेवादा थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ का है।

महिला एसओ ने विभिन्न चौराहों पर किया पैदल गस्त

अयोध्या।शनिवार की शाम महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने शहर के रिकाबगंज सहित कई प्रमुख मार्गो तथा चौराहों पर पैदल गस्त किया।इस दौरान उन्होंने सड़क के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाया।इसके अलावा उन्होंने यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले कई वाहन चालकों पर शिकंजा कसा।उन्होंने रिकाबगंज चौराहा,चौक, सुभाष नगर फतेहगंज,नियावां, सिविल लाइन सहित कई प्रमुख चौराहों पर पैदल गस्त किया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष ने इन चौराहों पर मौजूद खासकर महिलाओ व बालिकाओं को शासन द्वारा चलाई जा रही अति महत्वपूर्ण योजनाओं मे शामिल जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।इस मौके पर उप निरीक्षक संजीव मिश्रा,महिला उप निरीक्षक सोनी,प्रिया, कांस्टेबल शशिलता,रितु,सोनी,लक्ष्मी,नेहा मिश्रा,रोली,रंगीता साहनी सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रही।

टीडी कॉलेज विधि विभाग के पूर्व डीन वरिष्ठ साहित्यकार पीसी विश्वकर्मा का निधन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुरदृ तिलकधारी महाविद्यालय विधि विभाग के पूर्व

संकायाध्यक्ष , साहित्यकार, कवि, प्रो प्रेम चंद्र विश्वकर्मा 76 का बीमारी के कारण आज सुबह निधन हो गया। आप लगभग दो महीने से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर सुनते ही लोगो में शोक की लहर दौड़ गई।उनके अंतिम दर्शन एवं पुष्पांजलि अर्पण के लिए उनके कालीकुट्टी आवास पर पहुंच कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किया। प्रो विश्वकर्मा के जाने से शिक्षा जगत की अपूरणीय क्षति हुई। आप का नाम जाने माने शायरों और कवियों में गिना जाता था। दुखद सूचना की जानकारी मिलते ही खेल कूद राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र सिंह प्रो आर एन सिंह पूर्व प्राचार्य राज कॉलेज डॉ अखिलेश्वर शुक्ला बीएड विभाग के डीन प्रो अजय दुबे , प्रधानाचार्य प्रमोद श्रीवास्तव कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्रभुवन सिंह सभासद सतीश त्यागी, मनीष अस्थाना कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय सचिव पंकज श्रीवास्तव हैपी अभय सिंह,कायस्थ कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप श्रीवास्तव नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष दिनेश टंडन ,सोमेश्वर केसरवानी,नगर पालिका परिषद के प्रतिनिधि डॉ राम सूरत मौर्य तरुण सद्भावन क्लब के अध्यक्ष हाफिज शाह, जेब्रा के अध्यक्ष संजय सेठ तमाम स्वजातीय बंधु सहित अन्य गणमान्य लोगों ने पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

वे आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए।उनका अंतिम संस्कार रामघाट पर किया गया । मुखाग्नि उनके छोटे पुत्र प्रभंजन विश्वकर्मा ने दिया।इस दौरान घाट पर बड़ी संख्या में नेता समाजसेवी कवि साहित्यकार शिक्षक पत्रकार आदि ने पहुंच कर अपनी शोक संवेदना व्यक्त किया।

सोशल मीडिया पर शाहजहांपुर में आतंकी हमले से संबंधित भ्रामक पोस्ट करने वाले 03 विभिन्न सोशल मीडिया अकाउंट के विरुद्ध कार्यवाही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्तमान परिदृश्य के दृष्टिगत भारतीय सेना द्वारा की जा रही कार्यवाही के सम्बन्ध में सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। उक्त क्रम में पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, प्रशान्त कुमार द्वारा पुलिस मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेन्टर को भ्रामक पोस्ट करने, अफवाह फैलाने वालों के प्रति निरन्तर निगरानी करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए थे । उक्त निर्देशों के क्रम में सोशल मीडिया की निगरानी के दौरान मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेन्टर को फायरिंग एवं धमाकों की आवाज से सम्बन्धित एक ऐसी वीडियो प्राप्त हुई जिसको जनपद शाहजहांपुर का बताकर यह प्रचारित किया जा रहा था कि जनपद शाहजहांपुर में आतंकी हमला हुआ है जिसकी जानकारी करने पर यह ज्ञात हुआ कि जनपद शाहजहांपुर में ऐसी कोई भी घटना घटित नहीं हुई है । उपरोक्त भ्रामक पोस्ट का उत्तर प्रदेश पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट से भी खण्डन कराया गया है ।

प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के निर्देश पर इस प्रकार की भ्रामक पोस्ट करने वाले 03 सोशल मीडिया अकाउंट को चिन्हित करके उसके विरुद्ध दिनांक 11–05–2025 को कोतवाली शाहजहांपुर में अभियोग पंजीकृत कराया गया है जिनका विवरण निम्नवत है

3– आदित्य भैया सांसद बदायूं के नाम से बनाई गई फेक आई.डी.

उल्लेखनीय है कि आदित्य भैया सांसद बदायूं के नाम से किसी अज्ञात के द्वारा बदायूं के सांसद आदित्य यादव के नाम से फेक आई.डी. बनाकर संचालित की जा रही थी, जिसके सम्बन्ध में आदित्य यादव की शिकायत पर जनपद बदायूं के थाना सिवल लाइंस में अलग से अभियोग पंजीकृत करके आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है ।

सभी से अपील है कि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत कृपया तथ्यों को सत्यापित किये बिना सोशल मीडिया पर ऐसी कोई भी भ्रामक पोस्ट न करें, जिससे जनमानस के मन में भय व्याप्त हो अथवा भारतीय सेना के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा भ्रामक पोस्ट करने, अफवाह फैलाने वालों एवं साइबर अपराध के प्रति निरन्तर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म की 24ग्7 मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी सूचना, घटना, फोटो अथवा वीडियो का सत्यापन उत्तर प्रदेश पुलिस के फैक्ट चेक अकाउंट से किया जा सकता है रू प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश

शादी का झांसा देने व दुष्कर्म करने वाले आरोपी सिपाही की गिरफ्तारी के लिये पुलिस दे रही दबिश

अयोध्या।शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले मे राम जन्मभूमि थाने पर तैनात रहा आरोपी कानपुर निवासी सिपाही रितेश तिवारी की गिरफ्तारी पुलिस अभी तक नहीं कर सकी है।इस मामले में आरोपी सिपाही की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अदालत से गैर जमानती वारंट ले लिया है।पुलिस का मानना है कि इस मामले में आरोपी सिपाही को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।बताते चले कि थाना राम जन्मभूमि मे तैनात रहा सिपाही रितेश तिवारी पर पीड़िता ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है।पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना में 3 जनवरी 2025 को गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। 5 महीने बीत जाने के बावजूद भी पुलिस आज तक इस मामले में आरोपी सिपाही रितेश तिवारी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। जिसके चलते पीड़िता ने इस मामले में आरोपी सिपाही की गिरफ्तारी के लिए आईजी रेंज प्रवीण कुमार के कार्यालय में भी प्रार्थना पत्र दिया था। वीरता द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि आरोपी सिपाही पीड़िता से 2022 से शादी का झांसा देते हुए शारीरिक संबंध बना रहा था। पीड़िता ने जब उससे शादी करने को कहा तो उसने साफ–साफ मना कर दिया।तब थक हार तक पीड़िता ने महिला थाना में मुकदमा दर्ज कराया।राम जन्मभूमि थाने में तैनात है।इस संबंध में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है तथा पीड़िता ने इस संबंध में मुकदमा महिला थाने पर 3 जनवरी 2025 को दर्ज कराया था। बताया कि इस मामले में आरोपी सिपाही निलंबित है।इस मामले में आरोपी सिपाही की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है।जो लगातार दबिश डाल रही है।आरोपी सिपाही के गिरफ्तारी के लिए अदालत से गैर जमानती वारंट भी लिया गया है। इस मामले में आरोपी शीघ्र ही पुलिस के हिरासत में होगा।

सी.ए. राजेशराज गुप्ता बने लायन्स क्लब जौनपुर मेन के अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर सी. ए. राजेशराज गुप्ता लायन्स क्लब जौनपुर मेन के 41वें अध्यक्ष चुने गये। लायन्स क्लब जौनपुर मेन की चुनावी सभा संस्थाध्यक्ष संजय केडिया की अध्यक्षता में शनिवार रात्रि में होटल रघुवंशी में आयोजित हुई। जिसमें अगले सत्र 2025–26 के लिए नये पदाधिकारियों का चयन सर्व सहमति से किया गया। चव व रंजीत सिंह को कोषाध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा किया। सदस्यों ने निर्वाचित पदाधिकारियों को फूल माला से स्वागत करते हुए बधाई दिया।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेशराज गुप्ता ने कहा कि लायन्स क्लब जौनपुर मेन का अध्यक्ष बनना अपने आप में एक गर्व की बात है, इसके लिए उन्होंने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं संस्था के उद्देश्यों पर चलते हुए अधिक से अधिक सेवा कार्य करने का प्रयास करुगा। विशेषकर कुछ बड़े व स्थाई सेवा परियोजना शुरू करने का प्रयास करुगां जिससे समाज के गरीब व बेसहारा लोगों की मदद हो सकें। इस अवसर पर डॉ क्षितिज शर्मा जीएटी एरिया लीडर ने नव निर्वाचित टीम को बधाई देते हुए कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में लायन्स क्लब जौनपुर मेन जनपद की अग्रणी संस्था होने के साथ ही ये क्लब मंडल व राष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखता है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ वी एस उपाध्याय ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे आशा व विश्वास है कि राजेशराज गुप्ता के नेतृत्व में लायन्स क्लब नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

संयोजक राजीव श्रीवास्तव रितेश साहू, रंजीत सिंह व योगेश साहू ने आभार व्यक्त किया व संचालन सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा टीबी मुक्त भारत अभियान के मंडल चेयरमैन ने किया।

इस अवसर पर डा मदन मोहन वर्मा, सोमेश्वर केसरवानी, शकील अहमद, गोपीचंद साहू, संजय श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता, मदन गोपाल गुप्ता, आर पी सिंह, नरेश सेठ, परमजीत सिंह, संजय सिंघानिया, अनिल वर्मा, रविन्दर कौर, कविता वर्मा, नीरज शाह, सुशील अग्रहरी, वीरेन्द्र मौर्य, रविन्द्र कालरा, कल्पना सिंघानिया, डॉ प्रकाशनी अग्रहरी, आदि उपस्थित रहे, और नई टीम को बधाई व शुभकामनाएं दिया।

पीयू के पूर्व विधि विभाग के डीन व जाने माने साहित्यकार डॉ पीसी विश्वकर्मा का निधन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि विभाग में डीन जिले की विधिक, साहित्यिक व सामाजिक दुनिया में गहरी छाप छोड़ने वाले डॉ. पी.सी. विश्वकर्मा का रविवार सुबह निधन हो गया। वे 78 वर्ष के थे और कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका निधन उनके आवास, परमानतपुर में हुआ। उनके निधन की खबर से शिक्षा, न्याय और साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

डॉ. विश्वकर्मा का जीवन बहुआयामी उपलब्धियों से भरा रहा। वे वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विधि विभाग में डीन पद पर कार्यरत रह चुके थे। इसके अलावा तिलकधारी महाविद्यालय में विधि विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक के रूप में उन्होंने छात्र–छात्राओं को वर्षों तक शिक्षा दी और उन्हें न्याय की राह पर चलने की प्रेरणा दी। वे केवल शिक्षाविद ही नहीं, अपितु एक कुशल विधिवेत्ता के रूप में भी पहचाने जाते थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने जिले के उपभोक्ता फोरम के सदस्य के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभाई, जहां उन्होंने आम जनमानस के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्परता दिखाई। साहित्य में उनकी रुचि विशेष रही। वे एक प्रख्यात शायर के रूप में भी लोकप्रिय थे। उनके काव्य और शायरी में समाज की गहराइयों को छूने की अद्भुत क्षमता थी। वे एक संवेदनशील समाजसेवी के रूप में भी हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़े रहे। डॉ. पी.सी. विश्वकर्मा के निधन से जिले ने एक बहुआयामी व्यक्तित्व को खो दिया है। उनके अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर सुबह से ही शुभचिंतकों, विद्यार्थियों, सहकर्मियों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का तांता लगा रहा।उनके निधन की जानकारी मिलते ही राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य,पूर्व अध्यक्ष दिनेश टंडन वरिष्ठ पत्रकारो ने उनके आवास पर पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।

हनुमानगढ़ी में वाटर कियोस्क का उद्घाटन, स्वच्छ जल पहुंच की दिशा में अहम कदम

अयोध्या।स्वच्छ पेयजल तक पहुंच हर नागरिक का अधिकार है,विशेषाधिकार नहीं है।इसी संकल्प को साकार करते हुए अयोध्या के हनुमानगढ़ी क्षेत्र में वाटर कियोस्क का भव्य उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ।यह पहल श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुलभ जल आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।रविवार को मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या के महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, पूज्य गुरुदेव श्री संजय दास महाराज,नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन विजय सिंह षबिन्नूष्आदेश गुप्ता और राजीव सिंह, एडवोकेट द्वारा किया गया।

'सेवानिवृत्त कर्मचारी को दी गई भावभीनी विदाई'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में 1985 में नियुक्त होकर 39 वर्षो तक ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ कार्य करने वाले कर्मचारी संतोष कुमार पाण्डेय गतवर्ष 29 नवंबर 2024 को सेवानिवृत्त हो गये थे। 10 मई 2025 शनिवार को उनके सेवानिवृत्त होने एवं उनके सम्मान में कालेज की ओर से गरिमामयी विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के मध्य स्थित स्टाफ रूम में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम कालेज के प्रबंधक उत्कर्ष मिश्रा, एवं प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी ने संयुक्त रूप से पाण्डेय जी का माल्यार्पण एवं धार्मिक पुस्तकें श्रीमद्भागवत गीता एवं रामचरित मानस भेंट की। साथ ही प्रधान लिपिक अम्बरीष कुमार भदौरिया एवं प्रधानाचार्य जी ने पाण्डेय जी को शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। पूर्व प्रधान लिपिक सुधाकर पाण्डेय ने भी स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राकेश कुमार शर्मा ने सेवानिवृत्त कर्मचारी संतोष कुमार पाण्डेय को पुष्प माला पहनाकर एवं मिठाई का डिब्बा भेंटकर सम्मानित करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में सम्मान, भावनाएं ,और कृतज्ञता का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला। विद्यालय स्टाफ की ओर से सेवानिवृत्त कर्मचारी संतोष कुमार पाण्डेय को ससम्मान भावभीनी विदाई दी गई। विद्यालय के कई शिक्षकों ने पाण्डेय जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने– अपने विचार व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु की कामना की साथ ही विद्यालय के प्रति उनके समर्पण भाव एवं वचनवद्धता को याद कर उनके कार्यों की सराहना की। सेवानिवृत्त कर्मचारी संतोष कुमार पाण्डेय अपने अनुभव को साझा करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया साथ ही उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों से आपस में तालमेल बिठाकर एकजुटता बनाये रखने की अपील की। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

रुदौली रेलवे ओवरब्रिज के पास झाड़ियों में युवक का शव मिला

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।रुदौली रेलवे ओवरब्रिज से कुछ ही दूरी पर झाड़ियों में रविवार सुबह एक 30 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने शव को सुबह लगभग 8 से 9 बजे के बीच देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी।रेलवे चौकी प्रभारी जितेंद्र यादव ने बताया कि मृतक का शरीर धूल और मिट्टी से पूरी तरह लथपथ था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि शव को घसीटकर झाड़ियों तक लाया गया होगा।शव रेलवे ट्रैक से करीब 10 मीटर की दूरी पर झाड़ियों में पड़ा हुआ था।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अभी तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है।यह माना जा रहा है कि युवक की हत्या कहीं और की गई और बाद में शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से झाड़ियों में फेंका गया है।सीओ रुदौली आशीष निगम ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।जल्द ही मृतक की पहचान कर परिजनों से संपर्क किया जाएगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।